मैहर में ट्रैक्टर-ट्रॉली हादसा में एक की मौत

20 से अधिक घायल, जा रहे थे जवारे विर्सजन करने

पीपुल्स प्रवक्ता, मैहर

ग्राम सरबका से जवारे विसर्जन के लिए जा रहे दर्शनार्थियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली को तेज रफ्तार पिकअप ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे ट्रॉली हाईवे पर पलट गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए।

मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 30 ग्राम बारी मोड़ के पास एक ट्रैक्टर ट्राली में ग्राम सरबका के दर्शनार्थियों को लेकर जवारे विसर्जित करने ग्राम बछड़ा की ओर जा रही थी। तभी तेज रफ्तार पिकअप ने इस ट्रैक्टर ट्राली को पीछे से टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर के बाद ट्रैक्टर ट्राली हाईवे पर पलट गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

इनमें पिकअप सवार तीन लोग भी शामिल हैं घटना के बाद पिकअप चालक और एक अन्य पिकअप में फंस गए। जिन्हें हाईवे पेट्रोलिंग टीम व पुलिस ने रेस्क्यू कर घण्टों मशक्कत के बाद बाहर निकाला। सभी घायलों को हाईवे इलाज के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन लाया गया। वहां इन सभी को इलाज देने के बाद गंभीर घायल 8 लोगों को मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर किया गया है। वहीं 12 अन्य मामूली घायलों का इलाज सिविल अस्पताल अमरपाटन में जारी है। थाना प्रभारी अमरपाटन खगेंद्र प्रसाद त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी लोग नवरात्रि के नौ दिन बाद आज ग्राम सरबका से जवारे विसर्जन करने ट्रैक्टर ट्राली में सवार हो कर निकले थे। तभी नेशनल हाईवे 30 में सब्जी लोड कर जा रहे पिकअप वाहन ने पीछे से ठोकर मार दी। इस घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल है। एक की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं 8 लोग को रेफर करवाया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है। नींद की झपकी लगने के हादसे का अनुमान लगाया जा रहा है। इस घटना में ट्रैक्टर में सवार लगभग सभी लोग घायल थे। मृतक की मां भी शामिल थी। जब मां का उपचार चल रहा था। तब उसको नहीं पता था कि मृत हालात पड़ा युवक उसी का जवान बेटा है, जब घण्टों बाद इस बात की खबर बूढ़ी मां को लगी तो फूट फूट कर रोने लगी। देर रात नेशनल हाइवे 30 में हुए इस दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर पलटा और पिकअप भी क्षतिग्रस्त हो गई। वाहन में सवार लोग फंस गए सूचना के नेशनल हाईवे टीम और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्रेन तथा अन्य लोगों की मदद से सभी को घंटों तक रेस्क्यू कर बाहर निकाला और सिविल अस्पताल पहुचाया।

सीएमएचओ ने किया खुलासा

चार ऑपरेशन में तीन की हुई मौत, आरोपी की डिग्री फर्जी

पीपुल्स प्रवक्ता, दमोह।

CMHO मुकेश जैन ने बताया कि आरोपी डॉक्टर एन जॉन केम के द्वारा किए गए ऑपरेशन और रिकार्ड खंगाले गए। इस दौरान कार्डियोलाजी में सात लोगों की मौत हुई थी। आरोपी डॉक्टर ने चार की एंजायप्लास्टी की थी, इनमें से तीन की मौत हुई है। दमोह के मिशन हॉस्पिटल में सात मौतों से जुड़े मामले में दमोह CMHO मुकेश जैन ने पहली बार खुलकर बोले। मामले में सीएमएचओ ने जांच की है। इसके बाद उनका बयान मीडिया में आया है। सीएमएचओ ने बताया कि 20 फरवरी को हमको जांच के लिए कलेक्टर ने कहा था। इसके बाद हमने 22 फरवरी से जांच शुरू की। इसमें आरोपी डॉक्टर एन जॉन केम के द्वारा किए गए ऑपरेशन और रिकार्ड खंगाले गए। 30 से 35 दिन डॉक्टर अस्पताल में रहा है। इस दौरान कार्डियोलाजी में सात लोगों की मौत हुई थी। आरोपी डॉक्टर ने चार की एंजायप्लास्टी की थी, इनमें से तीन की मौत हुई है।

CMHO ने बताया कि फरवरी माह में उन्होंने मिशन अस्पताल में हुई सभी सर्जरी और डॉक्टरों की जानकारी मांगी थी, लेकिन मिशन अस्पताल ने वहां पदस्थ डॉक्टर एन जॉन केम के बारे में नहीं बताया। पांच मार्च को रिपोर्ट कलेक्टर सुधीर कोचर को दे दी। हमने फिर से मिशन अस्पताल से डॉक्टर के दस्तावेज मांगे। उन्होंने जो दस्तावेज दिए, उसमें आरोपी डॉक्टर के कोलकाता यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस और एमडी की डिग्री करना बताया गया। वहीं, कार्डियोलॉजिस्ट की डिग्री पांडिचेरी विवि से होना बताया गया। सभी डॉक्यूमेंट का सत्यापन करने के लिए हमने सागर मेडिकल कॉलेज को पत्र लिखा, लेकिन उनका जवाब आया कि उनके यहां कार्डियोलॉजिस्ट नहीं हैं इसलिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज से जांच की मांग कीजिए। इसके बाद हमने चार अप्रैल को जबलपुर मेडिकल कॉलेज टीम को जांच के लिए पत्र लिखा।

डिग्री में पूर्व उपराष्ट्रपति के फर्जी हस्ताक्षर:

टीम ने जब डॉक्टर की डिग्री की जांच की तो उसमे पांडिचेरी विश्वविद्यालय के चांसलर के रूप में पूर्व उपराष्ट्रपति के हस्ताक्षर थे। इस बात का सत्यापन करने के लिए जब टीम ने पूर्व राष्ट्रपति के हस्ताक्षर चेक किए, तो डिग्री में मौजूद हस्ताक्षर और ओरिजिनल हस्ताक्षर में अंतर मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि आरोपी डॉक्टर की कार्डियोलॉजिस्ट की डिग्री भी फर्जी है। डिग्री में संदेह का एक प्रमुख कारण यह भी था कि उसकी डिग्री में न तो एनरोलमेंट नंबर था और न ही रोल नंबर। जब इस बात की पुष्टि हो गई कि डॉक्टर के दस्तावेज फर्जी हैं, तब जाकर टीम ने कोतवाली में आरोपी डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

40 सालों में इंदौर की चंदन नगर रिंग रोड नहीं बनी

अब चौड़ाई घटा कर लिंक रोड बनाने की तैयारी

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

चंदन नगर क्षेत्र के रहवासियों को स्कीम-136 में प्लॉट भी अलॉट कर दिए थे। तब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस सड़क का भूमिपूजन भी कर दिया था, लेकिन बाद में सरकार की तरफ से सड़क बनाने की अनुमति नहीं मिली और फिर सड़क कभी नहीं बन पाई। चंदन नगर से एरोड्रम रोड तक रिंग रोड नहीं बन पाने के कारण अधूरी रही। अभी भी भारी वाहन बड़ा गणपति क्षेत्र से गुजरते हैं। मास्टर प्लान में इस सड़क की चौड़ाई 200 फीट है। अब वहां इतनी बसाहट हो चुकी है कि इतनी चौड़ी सड़क बनाना संभव नहीं है। इसे देखते हुए नगर निगम ने रिंग रोड के बजाए अब चंदन नगर लिंक रोड बनाने का फैसला लिया है।

अब 200 फीट के बजाए 60 फीट चौड़ी सड़क बनेगी। इसमें सिर्फ 150 से ज्यादा निर्माण ही हटेंगे। नगर निगम के बजट में इस सड़क को भी मंजूरी दी गई है, ताकि लोग धार रोड से एरोड्रम रोड तक सीधे आ जा सकें। फिलहाल कालानी नगर से विजयश्री नगर ब्रिज तक 60 फीट चौड़ाई में सड़क बनकर तैयार है, लेकिन उसके आगे सड़क की चौड़ाई कहीं 30 तो कहीं 40 फीट है। अब नगर निगम बाधक हिस्से हटाकर 60 फीट चौड़ी सड़क बनाना चाहता है। वर्ष 2008 में चंदन नगर रिंग रोड बनाने की कवायद हो चुकी थी। तत्कालीन कलेक्टर विवेक अग्रवाल चाहते थे कि यह सड़क बन जाए। उन्होंने चंदन नगर क्षेत्र के रहवासियों को स्कीम-136 में प्लॉट भी अलॉट कर दिए थे। तब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस सड़क का भूमिपूजन भी कर दिया था, लेकिन बाद में सरकार की तरफ से सड़क बनाने की अनुमति नहीं मिली और फिर सड़क नहीं बन पाई। प्राधिकरण के अफसर नसी करने जाते थे तो उन्हें धमकाया जाता था। अब यह सड़क नगर निगम 18 मीटर चौड़ाई में बनाने की तैयारी कर रहा है।

गड्ढे, खुले चैंबर, सड़कों की दरारें ले रहीं जान, न मुआवजा न ही जिम्मेदारों को सजा

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

इंदौर में सड़कों की गलत डिजाइन, गड्ढों, खुले चैंबरों और दरारों से कई बड़े हादसे हो चुके हैं। कई नागरिकों की जान गई लेकिन इन हादसों में न तो कोई मुआवजा मिल रहा है न ही जिम्मेदारों को सजा हो रही है।

इंदौर में सड़क की दरारों, खुले चैंबरों और गड्ढों की वजह से कई बड़े हादसे हो चुके हैं। इन हादसों में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन न तो किसी पीड़ित को कोई मुआवजा मिलता है न ही जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई होती है। इन सभी मामलों में पीड़ितों की कहीं पर शिकायत भी दर्ज नहीं होती।

स्वच्छता के अलावा हादसों में भी नंबर वन है इंदौर

पूरे देश में स्वच्छता के मामले में नंबर वन इंदौर सड़क हादसों के मामले में भी पूरे मप्र में नंबर वन है। साल 2024 में इंदौर में कुल 6,075 सड़क हादसे हुए हैं। 2023 में इनकी संख्या 5,714 थी। प्रदेश के अन्य शहरों की बात की जाए तो भोपाल दूसरे, जबलपुर तीसरे और ग्वालियर चौथे नंबर पर है। यहां क्रमशः 5,390, 4148, 3,092 सड़क हादसे हुए हैं। इंदौर में होने वाले सड़क हादसों में बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो सड़क की दरारों, खुले चैंबरों और गड्ढों की वजह से होते हैं। दो दिन पहले पलासिया क्षेत्र में हुए एक हादसे में एक महिला की जान जाने के बाद निगम जागा और तुरंत सड़कों की दरारें भरने के लिए काम शुरू कर दिया। वायएन रोड पर नगर निगम कमिश्नर के आदेश के बाद आज सुबह तुरंत सड़कों की दरारों को भरा गया।

मजदूरी पर गए दंपति के घर में लगी आग

पीपुल्स प्रवक्ता, रायसेन।

रायसेन में मंगलवार को संजय नगर स्थित मजदूर के घर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। काफी मशक्कत के बाद दमकल ने आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक घर में रखा सामान जलकर राख हो गया। मंगलवार को वार्ड 18 के रहने वाले मंजूर खान अपनी पत्नी सायरा बी के साथ मजदूरी पर गए हुए थे, इस दौरान उनके घर पर कोई नहीं था। आसपास के रहने वाले लोगों ने उन्हें बताया कि आपके घर में आग लग गई है, वे तत्काल घर पहुंचे , तब तक आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था। जिससे घर में रखा रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इसमें कपड़े, बर्तन और राशन शामिल था। सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ कि बेटी की शादी के लिए जमा किया गया दहेज का सामान भी जल गया। घटना में परिवार के पास खाने के लिए अन्न नहीं बचा है। पहनने के लिए कपड़े भी नहीं हैं। उनकी सारी जमा पूंजी भी इस आग की भेंट चढ़ गई। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

चार हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया तहसील का बाबू

पीपुल्स प्रवक्ता, सागर।

सागर की जैसीनगर तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू को लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा है। बाबू ने जमीन के नामांतरण आदेश जारी करने के बदले 5 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। वह पहले ही 1 हजार रुपए ले चुका था। बाकी 4 हजार रुपए लेते वक्त मंगलवार को पकड़ा गया। लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता हरिराम यादव पिता प्राण सिंह यादव निवासी सिंगारमुंडी ने 4 अप्रैल को लोकायुक्त एसपी कार्यालय में लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने बेटों के नाम जमीन का बंटवारा कराया है, और इसके नामांतरण के लिए तहसील में आवेदन दिया था। शिकायतकर्ता जब तहसील कार्यालय में बाबू रमेश आठ्या से मिला, तो उसने बंटवारानामा और नामांतरण आदेश जारी करने के लिए 5 हजार रुपए की मांग की। 1 हजार रुपए पहले ही ले चुका था। इस पर हरिराम ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत की, जिस पर जांच की गई ।

गुजरात की पटाखा फैक्टरी के ठेकेदार को इंदौर से पकड़ा

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

हरीश ने ही गोदाम के लिए स्थल को उपयुक्त बताया था। हरीश पटाखा फैक्टरी के लिए मजदूर उपलब्ध कराता था और आर्थिक लाभ कमाता था। वह देवास और हरदा जिले में जिन मजदूरों को पटाखे बनाने का अनुभव था, उन्हें वह गुजरात भेजता था। गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्टरी के विस्फोट में पुलिस ने फैक्टरी मालिक को तो पकड़ लिया है, लेकिन उन्हें ऐक ठेकेदार की भी तलाश थी।

गुजरात पुलिस को पता चला था कि वह इंदौर के बिजलपुर क्षेत्र में रहता है। उसे गुजरात पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया। इसके लिए इंदौर पुलिस ने भी मदद की। आरोपी काम हरीश पिता रामचंद्र मेघवानी है। जब पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हुआ था, तब वह इंदौर में ही था, लेकिन फैक्टरी में हरीश ही मध्य प्रदेश से मजदूरों को भेजता था,जबकि उसे पता था कि फैक्टरी अवैध है। हरीश ने ही गोदाम के लिए स्थल को उपयुक्त बताया था। हरीश बिजलपुर क्षेत्र के ट्रेजर टाउन टाउनशिप में रहता था।

हरीश पटाखा फैक्टरी के लिए मजदूर उपलब्ध कराता था और आर्थिक लाभ कमाता था। वह इंदौर में रहता था और देवास और हरदा जिले में जिन मजदूरों को पटाखे बनाने का अनुभव था, उन्हें वह गुजरात भेजता था। आपको बता दे कि गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के कारण 21 लोग जान गंवा चुके है और कुछ घायल भी है। इस मामले में पुलिस फैक्टरी मालिक खूबचंद मोहनानी और उसके बेटे दीपक को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके पास पटाखे बेचने का लाइसेंस था, लेकिन उन्होंने अवैध फैक्टरी खोलकर पटाखों का निर्माण शुरू कर दिया था।

दो हजार की पेनाल्टी 300 रू. रोज नहीं दे पाया युवक तो सूदखोरों ने धमकाया, घबराकर कर ली आत्महत्या

पीपुल्स प्रवक्ता, उज्जैन।

उज्जैन के तराना में रहने वाले 19 वर्षीय अभिषेक मालवीय ने सूदखोरों से तंग आकर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। वह 2000 रुपये की उधारी के बदले 300 रुपये रोजाना ब्याज पेनाल्टी भर रहा था। जब वह ब्याज दे-दे कर परेशान हो गया तो उसने आरोपियों का फोन उठाना बंद कर दिया। इस पर सूदखोरों ने उसे मैसेज कर धमकाया कि फोन नहीं उठाया तो सुबह खुद अपनी जानना। सूदखोर की इस धमकी भरे मैसेज के बाद अभिषेक ने जहर खा लिया। अभिषेक के परिजनों ने व्हाटसएप पर अभिषेक और सूदखोरों के बीच हुई चैटिंग पुलिस को सौंप दी है। मृतक अभिषेक मूलतः घोसला का रहने वाला है, जो कि तराना में गाड़ी सुधारने का काम करता था। उसने कुछ समय पहले साहिल और आफताब से 2000 रुपये उधार लिए थे। आरोपी इसका 20 प्रतिशत ब्याज वसूल रहे थे। एक महीने वह ब्याज नहीं दे पाया तो सूदखोरों ने उस पर 300 रुपये रोज की पेनाल्टी लगाना शुरू कर दिया। उसने फोन उठाना बंद किया तो उसे व्हाट्सएप पर मैसेज कर रुपये डालने की धमकी दी और कहा कि आज तक की 1700 रुपये पेनाल्टी हो गई है, कब देगा। कल तक नहीं आई तो तेरी तू जानना।

एंबुलेंस में परिजनों को बताया क्यों खाया जहर

31 मार्च को अभिषेक की तबीयत बिगड़ गई थी। उसे उल्टियां होने पर परिजन उसे लेकर अस्पताल ले जा रहे थे। अभिषेक की बहन शीतल मालवीय ने बताया कि रास्ते में एंबुलेंस में अभिषेक ने बताया था कि साहिल और आफताब से दो हजार रुपये उधार लिए थे। वह बदले में 300 रोज की पेनाल्टी मांग रहे हैं। नहीं देने पर धमका रहे हैं, उनसे परेशान होकर उसने जहर खा लिया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद प्रकरण दर्ज होगा

एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाएगा। पुलिस मृतक की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद चैटिंग के आधार पर जिन आरोपियों के नाम बताए गए हैं, उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

अप्रैल में ही बरस रही आग, 40 डिग्री पार गया पारा

गर्मी का प्रभाव लंबे समय तक रहने की संभावना

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

शहर के इतिहास में शायद यह पहली बार है कि अप्रैल की शुरुआत इतनी गर्म रही है। सोमवार को सीजन और साल का पहला 40 डिग्री का तापमान रिकॉर्ड किया गया। आम तौर पर, अप्रैल में तापमान में बढ़ोतरी 15 अप्रैल के बाद देखने को मिलती है, लेकिन इस साल यह शुरुआती दिनों में ही महसूस हो रही है। सोमवार को दिन का तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। वहीं, रविवार को तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस था, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक था। रविवार की रात का तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड टूटा

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को रिकॉर्ड किया गया तापमान इस साल का सबसे अधिक था और पिछले 10 सालों में से दो सालों का रिकॉर्ड भी टूट गया। इनमें 2020 में 16 अप्रैल को 39.7 डिग्री सेल्सियस और 2023 में 17 अप्रैल को 39.6 डिग्री सेल्सियस तापमान शामिल है। हालांकि, 2019 में अप्रैल का सबसे अधिक तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस था, जो पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड था। इस तरह, इस साल के तापमान ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अप्रैल की शुरुआत में ही इस प्रकार की गर्मी का होना इस बात का संकेत है कि इस बार गर्मी का असर पहले से ज्यादा तीव्र और लंबे समय तक रहेगा। हवाओं का रुख उत्तरी से बदलकर पश्चिमी हो गया है और आसमान साफ होने के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही, अगले कुछ दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

गर्मी से राहत की उम्मीदः मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि शहर में गुरुवार तक गर्मी बनी रहेगी और इस दौरान तापमान 41 डिग्री से भी अधिक हो सकता है। हालांकि, शुक्रवार से तापमान में गिरावट शुरू हो जाएगी, जिससे शहरवासियों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। इस बदलाव से लोगों को उम्मीद है कि गर्मी का असर कुछ हद तक कम होगा।

पानी के लिए सागर-कानपुर हाईवे पर चक्काजाम

छानबीला में ग्रामीणों ने जताया विरोध बोले-5 किमी दूर से लाना पड़ रहा पानी

पीपुल्स प्रवक्ता, सागर।

सागर जिले की शाहगढ़ तहसील के छानबीला गांव में पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को सागर-कानपुर हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। महिला, बच्चों के साथ ग्रामीण हाईवे पर पहुंचे और बैठ गए। उन्होंने प्रशासन से गांव में पानी की सप्लाई कराने की मांग की। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश देकर शांत कराया। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि गांव में लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। एक नलकूप की पाइपलाइन से गांव में पानी की सप्लाई हो रही थी। लेकिन सड़क निर्माण कार्य के दौरान उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जिस कारण गांव में पानी नहीं है। ग्रामीण देर रात तक 5 किमी दूर से पानी भरने के लिए मजबूर हैं। मामले को लेकर कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने पगरा डेम से गांव में पानी की सप्लाई शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों की मांग पर तहसीलदार ने नलकूप की पाइपलाइन जुड़वाने और टैंकरों के माध्यम से गांव में पानी की सप्लाई शुरू कराने का आश्वासन दिया। साथ ही 15 दिन में गांव में पेयजल की समस्या दूर करने की बात कही। जिस पर ग्रामीण माने और चक्काजाम खोला गया।